प्रेक्षाध्यान शिविर का शुभारम्भ

प्रतिक्रिया विरति का अभ्यास करें : युवाचार्य महाश्रमण

लाडनूं, 11 जून।

तुलसी अध्यात्म नीडम जैन विश्व भारती द्वारा आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में आयोजित अष्ठ दिवसीय आत्म साक्षात्कार एवं प्रेक्षाध्यान शिविर का शुभारम्भ सुधर्मा सभा में आयोजित समारोह में हुआ।

इस अवसर पर युवाचार्य महाश्रमण ने शिविरार्थियों को उपसंपदा दीक्षा प्रदान कराते हुए कहा कि प्रतिक्रिया विरति का अभ्यास होना चाहिए। क्रिया के साथ मन का तदात्मय रहना चाहिए। उन्होंने सबके साथ मैत्री भाव रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि संयम का अभ्यास बढने पर शिविर में आने की ज्यादा सार्थकता होगी।

सभा में आचार्य तुलसी की 13वीं पुण्यतिथि के अवशिष्ठ कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस मौके पर मुनि जम्बूकुमार, मुनि श्रेयांस कुमार ने सुमधुर स्वरों में गीतों की प्रस्तुति दी। मुनि किशनलाल, साध्वी कमलश्री ने विचारों की अभिव्यक्ति दी। संचालन मुनि मोहजीतकुमार ने किया।

आंचलिक संयोजक कार्यशाला 13 को

जैन विश्व भारती के शिक्षा विभाग समण संस्औति संकाय के द्वारा सम्पूर्ण देश में आयोजित होने वाली जैन विद्या परीक्षाओं के आंचलिक संयोजकों, केन्द्र व्यवस्थापकों, विज्ञ उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों की कार्यशाला का आयोजन आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में 13, 14 जून को किया जायेगा।

नागौर-बीकानेर अंचल के संयोजक महेन्द्र संचोती ने बताया कि इस कार्यशाला के दौरान ही जैन विद्या परीक्षाओं में अखिल भारतीय स्तर पर स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित 13 जून को प्रातः 9 बजे सुधर्मा सभा में आयोजित कार्यक्रम में किया जायेगा। जिसके मुख्य अतिथि बीकानेर के सांसद अर्जुनराम मेघवाल होंगे।

उन्होंने बताया कि जैन विद्या परीक्षाएं देश के 243 केन्द्रों पर आयोजित होती है। इन सम्पूर्ण परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को विज्ञ उपाधि से 14 जून को दोपहर 2 बजे से आयोजित जैन विद्या दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया जायेगा। इस दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. औष्णाकांत पाठक होंगे।

महेन्द्र संचेती ने बताया कि इस समारोह में सभी 243 केन्द्र में विद्यार्थी भाग लेंगे। इस समारोह की तैयारियां जोरों पर है। संकाय के निदेशक जिनेन्द्र कोठारी एवं विभागाधिपति रतनलाल चौपड़ा के नेतृत्व में कार्यकर्त्ता जुटे हुए हैं।